तकनीकी शिक्षा के साथ मूल्यों की सीख, रांची के संस्थानों में वैल्यू बेस्ड एजुकेशन पर जोर

स्किल के साथ संस्कार

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

रांची के प्रमुख तकनीकी और प्रबंधन संस्थानों में विद्यार्थियों को बेहतर प्रोफेशनल के साथ-साथ जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है. कॉलेजों में वैल्यू बेस्ड एजुकेशन यानी मूल्य आधारित शिक्षा को पाठ्यक्रम और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का हिस्सा बनाया गया है. इस पहल के तहत विद्यार्थियों को ईमानदारी, अनुशासन, सामाजिक जिम्मेदारी, टीमवर्क व नैतिकता जैसे मूल्यों की शिक्षा दी जा रही है ताकि वे करियर के साथ समाज के लिए सकारात्मक योगदान दे सकें.

आइआइएम रांची के यंग चेंजमेकर प्रोग्राम के तहत ग्रामीण परिवेश को समझते विद्यार्थी.

क्या कहते हैं विशेषज्ञ

आइआइएम रांची के निदेशक प्रो दीपक कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि संस्थान "वैश्विक दृष्टिकोण, स्थानीय जुड़ाव" की विचारधारा से प्रेरित है. विनम्रता, ईमानदारी और कठिन परिश्रम जैसे मूल्यों का पालन करते हुए संस्थान वैश्विक प्रबंधन शिक्षा के उच्च मानकों को पूरा कर रहा है. स्थानीय संस्कृति, समाज व जिम्मेदारियों के प्रति संवेदनशील है.

ट्रिपल आइटी रांची के निदेशक प्रो राजीव श्रीवास्तव के अनुसार मूल्य आधारित शिक्षा को सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जा रहा है. तकनीकी युग में नैतिक मूल्यों का संरक्षण आवश्यक है, क्योंकि यह विद्यार्थियों को सही-गलत में अंतर समझने और जिम्मेदारी के साथ निर्णय लेने की क्षमता देता है.

एक्सआइएसएस रांची के निदेशक डॉ जोसफ मरियानुस कुजूर ने कहा कि संस्थान का लक्ष्य छात्रों को केवल सफल प्रोफेशनल बनाना नहीं, बल्कि जिम्मेदार नागरिक के रूप में तैयार करना है. व्यक्तित्व विकास के लिए विवेक, करुणा, दक्षता, प्रतिबद्धता व चरित्र जैसे मूल्यों को महत्व दिया जाता है.

विद्यार्थियों के अनुभव

आइआइएम रांची की छात्रा प्रीतिका पॉल ने कहा कि पांच वर्षों के दौरान मैंने विनम्रता, ईमानदारी और मेहनत जैसे मूल्यों को केवल सीखा ही नहीं, बल्कि उन्हें जिया है. आइपीएम सोशल इम्पैक्ट सोसाइटी, ड्रामा, टोस्टमास्टर्स व टेडएक्स आइआइएम रांची जैसी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी से लेकर एमबीए स्टूडेंट काउंसिल तक, मैंने कई जिम्मेदारियां निभाईं.

आइआइएम रांची के अक्षत अग्रवाल ने कहा कि संस्थान में मूल्य अलग से नहीं सिखाए जाते, बल्कि हर दिन जीवन का हिस्सा बनते हैं. विश्वास का माहौल बनता है. कठिन पढ़ाई, उद्योग से जुड़ाव व शिक्षकों का निरंतर मार्गदर्शन हमें वास्तविक जीवन की चुनौतियों के लिए तैयार करता है.

क्यों जरूरी है मूल्य आधारित शिक्षा

शिक्षाविदों के अनुसार, आज के प्रतिस्पर्धी दौर में तकनीकी ज्ञान के साथ नैतिक मूल्यों की आवश्यकता है. कई बार केवल कौशल होने के बावजूद नैतिकता की कमी से व्यक्ति और संस्थान दोनों को नुकसान उठाना पड़ता है. ऐसे में मूल्य आधारित शिक्षा विद्यार्थियों को सही निर्णय लेने और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की प्रेरणा देती है. वे टीम में बेहतर तरीके से काम करना सीखते हैं और व्यक्तित्व निखरता है.

संस्थानों की पहल

आइआइएम : सामाजिक सरोकारों से जुड़ाव

1. आइआइएम रांची में शैक्षणिक भवनों का नामकरण बिरसा मुंडा, सिदो-कान्हू और नीलांबर-पितांबर जैसे आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के नाम पर किया गया है. यह पहल इतिहास के प्रति सम्मान व्यक्त करने और युवाओं को साहस व संघर्ष की प्रेरणा देने के उद्देश्य से की गयी है.
2. सोशल इम्पैक्ट प्रैक्टिकम के माध्यम से छात्र संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों से जुड़े सामाजिक मुद्दों पर काम करते हैं. महिला सशक्तीकरण, मासिक धर्म के प्रति जागरूकता, ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने और स्थानीय हस्तशिल्प के माध्यम से रोजगार सृजन जैसे विषयों पर आधारित प्रोजेक्ट विद्यार्थियों में संवेदनशीलता और परिश्रम की भावना विकसित करते हैं.

वर्किंग विद एआइ पहल के तहत पारंपरिक परीक्षा के स्थान पर एआइ आधारित

3. समस्या-समाधान परियोजना शुरू की गयी है. यह वैश्विक तकनीकी बदलाव के अनुरूप महत्वपूर्ण कदम है.
4. सोल कार्निवल, सोशल इम्पैक्ट कॉन्क्रेस, रेखी सेंटर फॉर साइंस ऑफ हैप्पीनेस और हैप्पीनेस कॉर्नर्स जैसी पहलें मानवीय जुड़ाव और भावनात्मक संतुलन को बढ़ावा देती हैं. वहीं, यंग चेंजमेकर प्रोग्राम के माध्यम से विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी और नेतृत्व क्षमता विकसित की जा रही है.

ट्रिपल आइटी : नैतिकता-मानवीय मूल्यों पर पाठ्यक्रम

- ट्रिपल आइटी रांची में दूसरे सेमेस्टर में एथिक्स एंड ह्यूमन वेल्यूज नामक समर्पित पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है. डिजिटल वेलबीइंग व कार्य-जीवन संतुलन जैसे विषयों पर कार्यशालाएं की जाती हैं.
- विद्यार्थियों को सम्मान, न्याय, जिम्मेदारी व सह-अस्तित्व जैसे मूल्यों के प्रति जागरूक किया जाता है. भारतीय ज्ञान परंपरा पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है ताकि विद्यार्थी सांस्कृतिक जड़ों और पारंपरिक बौद्धिक धरोहर से परिचित हो सकें.

एक्सआइएसएस : पाठ्यक्रम से फील्डवर्क तक

1. जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस, रांची में पढ़ाये जाने वाले सभी पाठ्यक्रमों में बिजनेस एथिक्स, कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी और गवर्नेंस जैसे विषयों को प्रमुखता से शामिल किया गया है. फील्ड एंगेजमेंट, कम्युनिटी डेवलपमेंट, पॉलिसी मेकिंग और जिम्मेदार नेतृत्व से भी जोड़ा गया है.
2. डेटा प्राइवेसी, एआइ एथिक्स और सस्टेनेबल डेवलपमेंट जैसे मुद्दों पर विशेषज्ञ सत्र, गेस्ट लेक्चर, वेबिनार और कॉन्क्लेव आयोजित किये जाते हैं ताकि छात्र और फैकल्टी इंडस्ट्री में हो रहे बदलावों के लिए तैयार रह सकें.
3. विद्यार्थियों के लिए ग्रामीण क्षेत्रों और विकास परियोजनाओं में फील्डवर्क करना अनिवार्य है. प्रमुख एनजीओ और विभिन्न सीएसआर परियोजनाओं के साथ एमओयू के माध्यम से नीतिगत हस्तक्षेप भी किये जाते हैं.

Prabhat Khabar_06.03.2026_P. 10